[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No. 19016[illegible]096

Sr. No. of Question Paper : 3888 **A**

Unique Paper Code : 62051203

Name of the Paper : Hindi : B

Name of the Course : **B.A. (Program)**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

P.T.O.

1. निम्नलिखित किन्हीं 'तीन' की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10 + 10 + 10)

(क) सात समंद की मसि करौं लेखनी सब बनराइ।

धरती सब कागद करौं, तऊ हरि गुण लिख्या न जाइ।।

(ख) रूपनिधान सुजान सखी जब तें इन नैननि नेकु निहारे।

दीठि थकी अनुराग-छकी मति लाज के साज-समाज बिसारे।

एक अचंभौ भयौ घनानंद हैं नित ही पल-पाट उघारे।

टारें टरैं नहीं तारे कहूँ सु लगे मनमोहन-मोह के तारे।

(ग) मेरा मंदिर, मेरी मस्जिद

काबा-काशी यह मेरी

पूजा-पाठ ध्यान-जप-तप है

घट-घट वासी यह मेरी।

(घ) देखते देखा मुझे तो एक बार

उस भवन की ओर देखा, छिन्नतार,

देख कर कोई नहीं, देखा मुझे उस दृष्टि से

जो मार खा रोई नहीं, सजा सहज सितार,

सुनी मैंने वह नहीं जो थी सुनी झंकार।

2. 'कबीरदास' अथवा 'बिहारी' का साहित्यिक परिचय लिखिए। (10)

3. तुलसी के 'केवट प्रसंग' का प्रतिपाद्य लिखिए। (10)

अथवा

घनानंद के पदों में अभिव्यक्त 'काव्य सौंदर्य' पर विचार कीजिए।

4. 'तोड़ती पत्थर' कविता का भावार्थ लिखिए। (10)

अथवा

बालिका का परिचय' कविता का भाव सौंदर्य अपने शब्दों में लिखिए।

5. किन्हीं 'तीन' पर टिप्पणी लिखिए : (5+5+5)

(1) ब्रजभाषा

(2) भारतेन्दु युग

(3) संत काव्य की विशेषताएं

(4) रीतिकालीन काव्य

(5) छायावाद